2025

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–6016

(छायावादी काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किसने कहा था?

(ख) आचार्य शुक्ल ने आधुनिक कविता के तृतीय उत्थान का आरंभ कब से माना है?

(ग) "जीवन ______ का अमल इंदु।" रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(घ) 'मुक्त छंद' के प्रवर्तक कौन हैं?

(ङ) 'बाँधो न नाव' कविता निराला के किस काव्य-संग्रह में संकलित है?

(च) 'रूपाभ' के पहले संपादक कौन थे?

(छ) कवि ने भारतमाता की तीस करोड़ संतान को अज्ञानी क्यों कहा है?

(ज) 'साँझ का दूत' किसे कहा गया है?

(झ) 'वसंत रजनी' की वेणी में क्या गूँथा हुआ है?

(ञ) प्रसाद की किस काव्य-रचना में 'गीतिकला' का उत्कृष्ट रूप दिखाई देता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'छायावाद' शब्द का प्रथम प्रयोग किस पत्रिका में तथा किसने किया था?

(ख) 'हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो' —प्रस्तुत गीत प्रसाद द्वारा रचित 'चन्द्रगुप्त' नाटक के किस अंक से उद्धृत है और इस गीत को किस पात्र ने गाया है?

(ग) पंत को उनकी किस रचना के लिए तथा किस वर्ष भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

(घ) "अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा
श्याम तृण पर बैठने को निरुपमा"
—ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं और किस कविता से उद्धृत हैं?

(ङ) महादेवी वर्मा को सुख की अपेक्षा दुःख अधिक प्रिय है। क्यों? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) छायावादी काव्यधारा के सीमांकन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'बाँधो न नाव' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखिए।

(ग) 'संध्या सुंदरी' शीर्षक कविता में कवि ने संध्या का रूप-वर्णन किस प्रकार किया है?

(घ) "अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा॥"
—कवि ने ऐसा क्यों कहा है, स्पष्ट कीजिए।

(ङ) "चुभते ही तेरा अरुण बान!
बहते कन कन से फूट फूट,
मधु के निर्झर से सजल गान।"
—इन पंक्तियों का संदर्भ बताइए।

(च) 'मंदिर का दीप' कविता के भाव-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) "पंत द्वारा रचित 'मौन निमंत्रण' कविता छायावादी विशेषताओं से युक्त होने के कारण जहाँ रहस्य व जिज्ञासा के भाव से युक्त है, वहीं प्राकृतिक उपादानों के प्रति प्रेमासक्ति से भी परिपूर्ण है।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं, उत्तर दीजिए।

अथवा

छायावादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'हिन्दी काव्य-जगत् को जयशंकर प्रसाद की देन' —इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

'ले चल वहाँ भुलावा देकर' शीर्षक कविता के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नव कुन्द-कुसुम से मेघ-पुंज,
बन गए इंद्रधनुषी वितान,
दे मृदु कलियों की चटक ताल,
हिम बिन्दु नचाती तरल प्राण,
धो स्वर्णप्रात में तिमिरगात,
दुहराते अलि निशि मूक तान।

अथवा

विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न—
अमल-कोमल-तनु-तरुणी-जुही की कली,
दृग बंद किए, शिथिल-पत्रांक में,
वासंती निशा थी;

(घ) 'वाणी' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

"महादेवी वर्मा ने अपने अपूर्व कल्पना-वैभव तथा नूतन शिल्प-विधान द्वारा हिन्दी कविता को नई अर्थवत्ता प्रदान की है।" सतर्क पुष्टि कीजिए।

★★★